RAMAKRISHNA MISSION VIDYAMANDIRA

(A Residential Autonomous College under University of Calcutta)

First Year

First-Semester Examination, December 2010

Date : 23-12-2010 **SANSKRIT (General)** Full Marks : 75

Time : 11am – 2pm **Paper - I**

1. Define and illustrate <u>any three</u> of the following metres : [3×3 = 9]
   নিম্নলিখিত যে কোন তিনটি ছন্দের লক্ষণসহ উদাহরণ দাও ঃ
   (a) वसन्ततिलकम् (b) मालिनी (c) मन्दाक्रान्ता (d) भुजङ्गप्रयातम् (e) रुचिरा

2. Scan the metres in <u>any three</u> of the following : [2×3 = 6]
   নিম্নলিখিত যে কোন তিনটির গণবিভাগ কর ঃ
   a) इदमनन्यपरायणमन्यथा।
   b) यदालोके सूक्ष्मं व्रजति सहसा तद्विपुलताम्।
   c) हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः।
   d) मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्म लक्ष्मीं तनोति।
   e) दुष्यन्तस्तव शरणं भवत्विदानीम्।

3. a) Decline <u>any five</u> of the following : [1×5 = 5]
   নিম্নলিখিত যে কোন পাঁচটির শব্দরূপ নির্ণয় কর ঃ
   i) गुणिन् in तृतीया एकवचन
   ii) वारि in प्रथमा द्विवचन
   iii) साधु in षष्ठी बहुवचन
   iv) अस्मद् in पंचमी एकवचन
   v) तत् (स्त्री) in चतुर्थी एकवचन
   vi) मातृ in पंचमी एकवचन
   vii) तत् (क्ली.) in द्वितीया बहुवचन

   b) Conjugate <u>any</u> five of the following : [1×5 = 5]
   নিম্নলিখিত যে কোন পাঁচটির ধাতুরূপ নিরূপণ কর ঃ
   i) पठ् in लोट् 3rd person plural
   ii) पच् in लृट् 1st person singular
   iii) दा in लङ् 3rd person plural
   iv) अस् in लङ् 3rd person plural
   v) हन् in लट् 2nd person singular
   vi) दा + लट् 3rd person plural
   vii) दृश् + लृट् 2nd person singular

4. a) Answer any one of the following questions : [10]
নিম্নলিখিত প্রশগুলির যে কোন একটির উত্তর দাও ঃ

i) Who is শুকনাস ? Write in your own words the advice delivered by him.
শুকনাস কে ? তাঁর উপদেশ তোমার নিজের ভাষায় লেখ।

ii) Write a note on বাণ 's style of composition.
বাণ'এর রচনারীতির ওপর একটি টীকা লেখ।

OR,

b) Translate any two of the following passages into English or Bengali : [5×2 = 10]
নিম্নলিখিত অনুচ্ছেদগুলির যে কোন দুটির ইংরাজী অথবা বাংলায় অনুবাদ কর ঃ

i) मिथ्यामाहात्यगर्वनिर्भराश्च न प्रणमन्ति देवता यः , न पूजयन्ति द्विजातीन्, न मानयन्ति मान्यान्, नार्चयन्त्यर्चनीयान्, नाभिवादयन्त्यभिवादार्हान्, ना युत्तिष्ठन्ति गुरून्।

ii) तस्य वचनं शृण्वन्ति, तत्र वर्षन्ति, तं बहु मन्यन्ते, तमाप्ततामापादयन्ति, योऽहर्निशमनवरतमुपरचिताञ्जलिरधिदैवतमिव विगतान्यकर्त्तव्यः स्तौति, यो वा माहात्यमुद्भावयति ।

iii) अपरे तु स्वार्थनिष्पादनपरैः धनपिशितग्रासगृध्रैरास्थाननलिनीवकैः द्यूतं विनोद हति, परदाराभिगमनं वैदग्ध्यमिति, ...।

5. Translate into Sanskrit any one of the following passages : [10]
নিম্নলিখিত অনুচ্ছেদগুলির যে কোন একটির সংস্কৃতে অনুবাদ কর ঃ

a) ঈশরচন্দ্র বিদ্যাসাগর মেদিনীপুর জেলার বীরসিংহ গ্রামে এক দরিদ্র ব্রাহ্মণ পরিবারে জন্মগ্রহণ করেন। কিন্তু বাল্যকাল থেকেই তিনি ছিলেন মেধাবী ও কষ্টসহিষ্ণু। তাঁর পিতা শিক্ষাদানের জন্য তাঁকে কলিকাতায় নিয়ে আসেন। অল্প সময়েব মধ্যেই তিনি সাফল্যের সঙ্গে শিক্ষা সমাপ্ত করেন। তাঁর মন ছিল সর্বপ্রকার সংস্কার থেকে মুক্ত ।

b) দাক্ষিণাত্যে মহিলারোপ্য নামে এক নগর ছিল। সে নগরের অনতিদূরে ছিল ভগবান্ শ্রীমহাদেবের এক বিরাট মন্দির। সেখানে বাস করত তাম্রচূর নামে এক পরিব্রাজক। নগরে ভিক্ষা করে সে জীবিকা নির্বাহ করত। ভিক্ষাপাত্রটি আংটায় ঝুলিয়ে রেখে পরে রাত্রিতে সে ঘুমোত। সকালবেলায় সেখান থেকে কিছু খাবার কাজের লোকদের দিয়ে দেবায়তনের ঝাঁট দেওয়া, সাজানো গোছানো প্রভৃতি করাত।

6. Read any one of the following passages and answer the questions given below :
নিম্নলিখিত অনুচ্ছেদগুলির যে কোন একটি পড়ে প্রদত্ত প্রশগুলির সংস্কৃতে উত্তর দাও ঃ

a) अस्ति ब्रह्मारण्ये कर्पूरतिलको नाम हस्ती। तमवलोक्य सर्वे शृगालाः चिन्तयन्ति स्म, यद्ययं केनाप्युपायेन म्रियते तदास्माकमेतद्देहेन मासचतुष्टयस्य स्वेच्छया भोजनं भविष्यति। तत्रैकेन वृद्धशृगालेन प्रतिज्ञातं – मया बुद्धिप्रभावादस्य मरणं साधयितव्यम्। अनन्तरं स वञ्चकः कर्पूरतिलकस्य समीपं गत्वा साष्टाङ्गपातं प्रण योवाच– देव! दृष्टिप्रसादं कुरु। हस्ती ब्रूते– कस्त्वम् ? कुतः समायातः ? [2×5 = 10]

i) हस्ती कुत्रासीत्, तस्य च नाम किम् ?

ii) तं विलोक्य शृगालैः किं चिन्तितम् ?

iii) ततः केन किं प्रतिज्ञातम् ?

iv) 'वञ्चकः' इति पदेन कः सूच्यते ? स कुत्रागच्छत् ?

v) हस्तिना किं जिज्ञासितम् ?

b) वृद्धायाः पुत्रमरणं तस्य च पुनर्जीवनप्रार्थनमाकर्ण्य बुद्धोऽवदत् –भद्रे मृतः कदापि न पुनर्जीवति। अतो वृथा शोकं परित्यज्य धर्मकर्मपरा भव। वृद्धा तु तद्वचनेन न स्वस्थतां गता। पूर्ववदेव तं सकातरं भूयोभूयः पुत्रजीवनमभीष्टवती। अथासौ क्षणं विचिन्त्य तामवदत्–भद्रे! शोकं परिहर। पुत्रस्य ते जीवनार्थं यतिष्ये। गृहे यत्र कदापि कोऽपि न मृतः, तादृशाद् गहात् तोलकपरिमाणं सर्षपमानय। श्मशाने विकोर्णे तस्मिन् पुत्रस्ते द्रागपि पुनर्जीविष्यति। सन्तुष्टा वृद्धा गृहाद् गृहान्तरं गत्वापि तादृशं गृहं न प्राप्तवती यत्र कदापि कोऽपि न मृतः, क्लान्ता सा बुद्धसमीपमाग य सर्वमकथयत्। [2½×4 = 10]

i) बुद्धः किमाकर्ण्य किमाह ?

ii) बुद्धस्य वचनं श्रुत्वा वृद्धायाः का प्रतिक्रिया ?

iii) वुद्धः विचिन्त्य वृद्धां किं जगाद ?

iv) वृद्धाया अभिज्ञता का ?

7. Join the Sandhi in <u>any three</u> of the following : [1×3 = 3]
নিম্নলিখিত যে কোন তিনটির সন্ধি কর ঃ

a) Áदेवी + उवाच
b) मुने + आगच्छ
c) कः + अत्र
d) उत् + Áस्थानम्
e) लभेते + अर्थम्

8. Disjoin the words in <u>any three</u> of the following : [1×3 = 3]
যে কোন তিনটির সন্ধিবিচ্ছেদ কর ঃ

a) सप्तर्षिः
b) नीरोगः
c) सारङ्गः
d) उत्थानम्
e) पितारक्ष

9. Account for the case-ending in <u>any two</u> of the underlined words : [2×2 = 4]
নিম্নরেখ যে কোন দুটি পদের কারণসহ বিভক্তি নির্দেশ করঃ

a) <u>धनाद्</u> विद्या गरीयसी।
b) शिखा <u>पुष्पे यः</u> स्पृहयति।
c) बालकः <u>पठनाय</u> गच्छति।

10. Illustrate the use of <u>any two</u> of the following : [2×2 = 4]
যে কোন দুটির বাক্যে প্রয়োগ দেখাও ঃ

a) अयवर्गे तृतीया।
b) तादर्थ्ये चतुर्थी।
c) भावे सप्तमी।

11. Correct <u>any three</u> of the following sentences : [1×3 =3]
নিম্নলিখিত বাক্যগুলির যে কোন তিনটির অশুদ্ধি সংশোধন কর ঃ

a) वर्षायां पथो भवति पिच्छिलः।
b) अपारः भगवानस्य महिमा।
c) प्रजाः शासन्ति राजानः।
d) रामेन पुस्तकः पठ्यते।
e) दिवायां किं करोषि भवान् ?

12. Substitute in single word for <u>any three</u> : [1×3 = 3]
নিম্নলিখিত যে কোন তিনটিকে একটি শব্দে প্রকাশ কর ঃ

a) पुत्रः इव आचरति।
b) शब्दं करोति।
c) पुनः पुनः नृत्यति।
d) पञ्च वा षड् वा।
e) वासं कृत्वा।